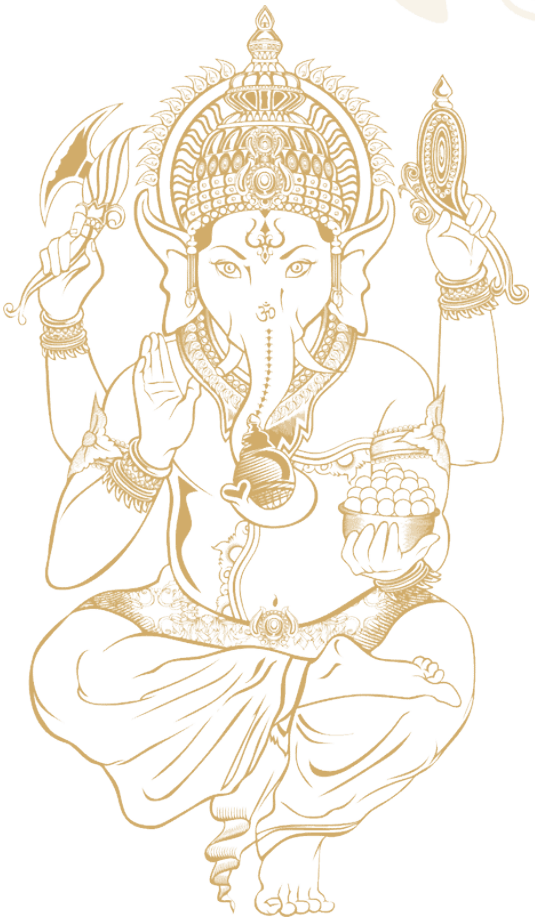

Praney Meera

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121727203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/04/1989	जन्म तिथि	03/01/1992
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 06:45:00	जन्म समय	07:50:00 घंटे
घटी 01:25:58	जन्म समय(घटी)	02:37:14 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Hyderabad
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:36	सूर्योदय	06:47:06
18:29:29	सूर्यास्त	17:53:51
23:42:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:01

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 1वर्ष 2मा 25दि	28:11:18	मीन	लग्न	मक	02:47:53	बुध 2वर्ष 8मा 16दि
गुरु	18:34:11	मीन	सूर्य	धनु	18:11:56	सूर्य
28/06/2015	21:41:00	मक	चंद्र	वृश्चि	27:52:27	19/09/2021
28/06/2031	19:33:15	वृष	मंगल	धनु	01:35:02	19/09/2027
गुरु 15/08/2017	15:56:12	मीन	बुध	वृश्चि	26:53:08	सूर्य 06/01/2022
शनि 27/02/2020	09:56:49	वृष	गुरु व	सिंह	20:51:44	चन्द्र 08/07/2022
बुध 03/06/2022	17:49:20	मीन	शुक्र	वृश्चि	09:13:00	मंगल 13/11/2022
केतु 10/05/2023	19:51:40	धनु	शनि	मक	12:20:26	राहु 07/10/2023
शुक्र 08/01/2026	10:37:47	कुंभ	राहु	धनु	16:06:55	गुरु 26/07/2024
सूर्य 28/10/2026	10:37:47	सिंह	केतु	मिथु	16:06:55	शनि 08/07/2025
चन्द्र 27/02/2028	11:36:08	धनु	हर्ष	धनु	20:03:20	बुध 14/05/2026
मंगल 01/02/2029	18:38:10	धनु	नेप	धनु	22:32:43	केतु 19/09/2026
राहु 28/06/2031	20:56:12	तुला व	प्लूटो	तुला	28:24:09	शुक्र 19/09/2027

लग्न-चलित

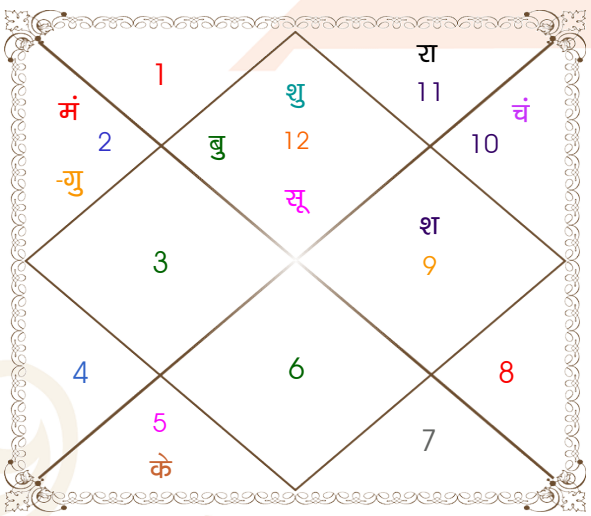

लग्न-चलित

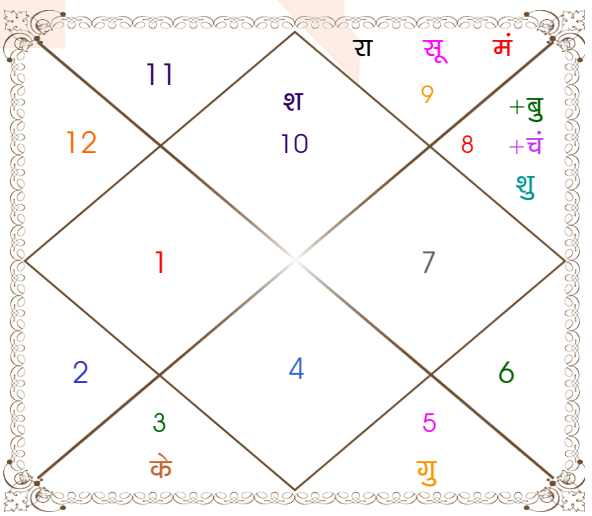

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

Praney का वर्ग मार्जार है तथा Meera का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Praney और Meera का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Praney मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Meera मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Meera कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Meera कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Praney कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Praney कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Praney तथा Meera में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।